141187 - क्या एक्यूपंक्चर रोज़ा को प्रभावित करता है?

प्रश्न

क्या वज़न घटाने या वज़न बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले एक्यूपंक्चर से रोज़ा टूट जाता है?

विस्तृत उत्तर

सबसे पहले :

एक्यूपंक्चर शरीर के विभिन्न हिस्सों (बिंदुओं) में सुइयाँ घुसाकर दर्द को कम करने और विभिन्न प्रकार की बीमारियों का इलाज करने की एक प्राचीन चीनी पद्धति है।

एक्यूपंक्चरिस्ट कहे जाने वाले विशेषज्ञ एक स्थान पर, या मेरिडियन के सैकड़ों विशिष्ट स्थानों (बिंदुओं) में से किसी भी स्थान में तेज़ सुइयों को डालते हैं। सुइयों के प्रवेश से चुभन की तेज अनुभूति होती है, लेकिन यह अनुभूति जल्द ही गायब हो जाती है, इसके बाद कभी-कभी त्वचा में झुनझुनी की अनुभूति होती है, या सुन्नता या भारीपन या दर्द की अनुभूति होती है और यह तब होता है जब सुई अपनी जगह पर रहती है।

एक्यूपंक्चर का उपयोग दर्द को दूर करने और विभिन्न स्थितियों का इलाज करने के लिए किया जाता है जिसमें कुछ मानसिक बीमारियों के अलावा गठिया, अस्थमा, माइग्रेन, अल्सर और आँखों की बीमारियाँ शामिल हैं। 1950 के दशक के उत्तरार्ध से, चीनी प्रमुख सर्जरी के दौरान दर्द से राहत पाने के लिए इस पारंपरिक पद्धति का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें रोगी सचेत रहता है, थोड़ा-सा दर्द महसूस करता है, या बिल्कुल भी दर्द महसूस नहीं करता है।

देखें : अल-मौसूअह अल-अरबिय्यह अल-इल्मिय्यह, विषय : (अल-वख्ज़ बि'ल-इबर)।

दूसरा :

अबुल-वलीद इब्ने रुश्द ने कहा :

“वे इस बात पर एकमत हैं कि रोज़ा रखने वाले व्यक्ति के लिए रोज़े के दौरान भोजन, पेय और संभोग से दूर रहना अनिवार्य है, क्योंकि अल्लाह तआला का फ़रमान है :

﴿فَالْآنَ بَاشِرُوهُنَّ وَابْتَغُوا مَا كَتَبَ اللَّهُ لَكُمْ وَكُلُوا وَاشْرَبُوا حَتَّى يَتَبَيَّنَ لَكُمُ الْخَيْطُ الْأَبْيَضُ مِنَ الْخَيْطِ الْأَسْوَدِ مِنَ الْفَجْرِ﴾

سورة البقرة: 187

“तो अब तुम उनसे (रात में) सहवास करो और जो अल्लाह ने तुम्हारे लिए लिखा है उसे तलब करो, तथा खाओ और पियो, यहाँ तक कि तुम्हारे लिए भोर की सफेद धारी रात की काली धारी से स्पष्ट हो जाए।” [सूरतुल-बक़रह :187]

जबकि उन्होंने इस संबंध में कुछ मुद्दों के बारे में मतभेद किया है : जिनमें से कुछ के बारे में वे मौन हैं, और कुछ के बारे में उन्होंने बात की है। जहाँ तक उन मुद्दों की बात है जिनके बारे में वे मौन हैं : उनमें से एक का संबंध पेट में पहुँचने वाली उस चीज़ से है जो पौष्टिक नहीं है। दूसरी वह चीज़ जो पेट में खाने-पीने के रास्ते के अलावा किसी अन्य मार्ग से पहुँचती है, जैसे कि इंजेक्शन।

इस मामले में उनके मतभेद का कारण : पौष्टिक चीज़ को गैर-पौष्टिक चीज़ पर क़ियास करना है। और ऐसा इसलिए है क्योंकि ग्रंथ में जिसके बारे में बात की गई है वह पौष्टिक चीज़ है; इसलिए जिन लोगों का विचार यह है कि रोज़ा का उद्देश्य एक तर्कसंगत अर्थ है, उन्होंने पौष्टिक चीज़ को ग़ैर-पौष्टिक चीज़ के साथ नहीं जोड़ा है। जो लोग रोज़ा को एक तर्कसंगत इबादत नहीं मानते और यह कि उसका उद्देश्य केवल पैट में जाने वाली चीज़ से रुकना है : तो उन्होंने पौष्टिक और ग़ैर-पौष्टिक को समान करार दिया है..” "बिदायतुल-मुजतहिद" (2/698) से उद्धरण समाप्त हुआ।

तीसरा :

जो इंजेक्शन उपचार के लिए होते हैं, उनका उद्देश्य भोजन या पोषण प्राप्त करना नही होता है : वे रोज़ा रखने वाले व्यक्ति का रोज़ा नहीं तोड़ते हैं, चाहे वे अंतःशिरा या इंट्रामस्क्युलर तरीके से दिए गए हों। जहाँ तक उन इंजेक्शनों का सवाल है जो भोजन या पोषण प्रदान करने के लिए होते हैं, तो वे रोज़ा तोड़ देते हैं, जैसा कि अधिकांश समकालीन विद्वानों का मत है।

इसका वर्णन प्रश्न संख्या : (65632) के उत्तर में पहले किया जा चुका है। तथा देखें : डॉ. अहमद अल-ख़लील द्वारा लिखित : मुफ़त्तिरात अस-सियाम अल-मुआसिरह (65-68).

चौथा :

एक्यूपंक्चर (चीनी सुइयाँ): पोषण प्रदान करने वाले इंजेक्शनों में से नहीं है और न ही वे भोजन या पेय के अर्थ में हैं। बल्कि, इनके माध्यम से किसी भी प्रकार का घोल या तरल पदार्थ शरीर में नहीं डाला जाता है, जैसा कि नियमित चिकित्सीय इंजेक्शन के मामले में होता है। बल्कि, इन्हें शरीर में कुछ विशिष्ट स्थानों पर चुभोया जाता और उन बिंदुओं को उत्तेजित किया जाता है, उनका उद्देश्य शरीर में किसी भी प्रकार के तरल पदार्थ को डालना नहीं होता है, जैसा कि पहले बताया गया।

ऊपर जो कुछ उल्लेख किया गया है उसके आधार पर : यह रोज़े को प्रभावित नहीं करता है, और उपचार के लिए इसका उपयोग करने में कोई आपत्ति की बात नहीं है, यदि उसका रोगी के लिए फायदेमंद और उपयोगी होना साबित हो जाए।

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।